A-0225

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–507

M.A. SANSKRIT (MASL)

(भारतीय दर्शन भाग-02)

2nd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. जैन दर्शन के अनुसार तत्वमीमांसा की समीक्षा कीजिए।

2. इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. न्याय दर्शन में प्रतिपादित त्रिविध कारणों को स्पष्ट कीजिए।

4. प्रमाणों के विषय में चार्वाक की अवधारणा की विवेचना कीजिए।

5. तर्क भाषा के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अनेकान्तवाद की समीक्षा कीजिए।

2. चार्वाक के जगत् सम्बन्धी विचार की समीक्षा कीजिए।

3. जैन मतानुसार ज्ञान मीमांसा की विवेचना कीजिए।

4. संशय एवं प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

5. उपमान प्रमाण का वर्णन कीजिए।

6. चार्वाक दृष्टि से ज्ञानमीमांसा की समीक्षा कीजिए।

7. स्वार्थानुमान को स्पष्ट कीजिए।

8. आकांक्षा, योग्यता एवं सन्निधि का वर्णन कीजिए।

****